अध्याय -11 | यतींद्र मिश्र

QUIZ-01

1. 'नौबतखाने में इबादत' पाठ के लेखक कौन हैं?
A. स्वयं प्रकाश
B. मन्नू भंडारी
C. यशपाल
D. यतींद्र मिश्र (D)

व्याख्या : यह पाठ यतींद्र मिश्र द्वारा लिखा गया है, जिसमें उन्होंने उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ के जीवन और संगीत साधना का चित्रण किया है।

2. बिस्मिल्ला खाँ को किस बात का पक्का यकीन था?
A. वे भारत रत्न प्राप्त कर लेंगे
B. ईश्वर उन्हें सच्चा सुर प्रदान करेगा
C. वे हिन्दू-मुस्लिम को एक करने में सफल होंगे
D. इनमें सभी (B)

व्याख्या : बिस्मिल्ला खाँ को अपने ईश्वर पर पूरा विश्वास था कि वो उन्हें सच्चा सुर प्रदान करेगा।

3. बिस्मिल्ला खाँ की शहनाई में क्या समाया हुआ था?
A. संगीत के सातों सुर
B. उनके उस्ताद की नसीहतें
C. स्वयं परवरदिगार
D. इनमें सभी (D)

व्याख्या : उनकी शहनाई में संगीत, गुरु की सीख और आध्यात्मिकता का समन्वय था, जो उनकी साधना को विशेष बनाता है।

4. शहनाई की तुलना किससे की गई है?
A. परंपरागत वाद्य यंत्रों से
B. दक्षिण भारत के मंगल वाद्य यंत्र से
C. उत्तर भारत के मधुर वाद्य यंत्र से
D. सुरविहीन वाद्य यंत्रों से (B)

व्याख्या : पाठ में शहनाई की तुलना दक्षिण भारत के मंगल वाद्य यंत्रों से की गई है, जो शुभ अवसरों पर बजाए जाते हैं।

5. लेखक ने किनको एक-दूसरे का पूरक माना है?
A. बाबा विश्वनाथ और बिस्मिल्ला खाँ
B. मुहर्रम ताजिया और होली-अबीर
C. गंगा-जमुनी संस्कृति
D. इनमें सभी (D)

व्याख्या : पाठ में इन सभी को एक-दूसरे का पूरक बताया गया है, जो सांस्कृतिक एकता और धार्मिक सौहार्द का प्रतीक है।

6. काशी की सांस्कृतिक विरासत को अक्षुण्ण रखने में किसने विशेष योगदान दिया?
A. हिन्दू धर्म ने
B. काशी के विशिष्ट लोगों ने
C. बिस्मिल्ला खाँ ने
D. मुस्लिम धर्म ने (C)

व्याख्या : बिस्मिल्ला खाँ ने अपनी संगीत साधना के माध्यम से काशी की सांस्कृतिक विरासत को जीवित और समृद्ध बनाए रखा।

7. काशी विश्वनाथ के प्रति बिस्मिल्ला खाँ अपनी श्रद्धा किस प्रकार दर्शाते हैं?
A. वे काशी की ओर मुँह करके बैठते हैं
B. वे अपनी शहनाई का प्याला काशी की ओर घुमा देते हैं
C. (A) और (B) दोनों
D. इनमें कोई नहीं (C)

व्याख्या : वे अपने मन, तन और वाद्य के माध्यम से काशी और बाबा विश्वनाथ के प्रति श्रद्धा प्रकट करते थे।

8. मुहर्रम के दिन किस-किस चीज का निषेध माना गया?
A. राग-रागनियों की अदायगी का
B. दुःख मनाने का
C. दान-दक्षिणा देने का
D. रोने का (A)

व्याख्या : पाठ में बताया गया है कि मुहर्रम के दिन राग-रागनियों को बजाना निषेध माना जाता था, क्योंकि वह शोक का अवसर होता है।

9. मुहर्रम के अवसर पर बिस्मिल्ला खाँ का कैसा रुप सामने आता है?
A. सहज मानवीय रुप
B. धर्म के प्रति समर्पित रुप
C. (A) और (B) दोनों
D. इनमें कोई नहीं (C)

व्याख्या : बिस्मिल्ला खाँ मुहर्रम के अवसर पर अपनी मानवीय संवेदनाओं और धार्मिक श्रद्धा दोनों को व्यक्त करते हैं।

10. निम्न में से कौन-सी कमी बिस्मिल्ला खाँ को खलती है?
A. मलाई बर्फ की
B. संगीत और साहित्य की
C. अदब की परंपराओं की
D. इनमें सभी (D)

व्याख्या : बिस्मिल्ला खाँ को इन सभी चीजों की कमी खलती थी, जो उनके जीवन के अनुभवों और मूल्यों को दर्शाती हैं।